एम.ए.एच.

एम.ए. (इतिहास)
प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य

2024-2025

एम.ए. इतिहास प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्रों के लिए

एम.एच.आई.-01 : प्राचीन और मध्यकालीन समाज
एम.एच.आई.-02 : आधुनिक विश्व
एम.एच.आई.-04 : भारत में राजनीतिक संरचनाएं
एम.एच.आई.-05 : भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

एम.ए. इतिहास - प्रथम वर्ष
सत्रीय कार्य
जुलाई 2024 - जनवरी 2025 सत्रों के लिए

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीय कार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीय कार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक **विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली** को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रीय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीय कार्यों को जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी-बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूल्यांकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीय कार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीय कार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा। सत्रीय कार्य जमा करने की निर्धारित तिथियाँ नीचे सारणी में दी गई हैं:

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2024 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2025**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2025 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2025**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक **विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों** का उत्तर लगभग **500 शब्दों** में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक **लघु श्रेणी प्रश्नों** का उत्तर लगभग **250 शब्दों** में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) **नियोजन** : सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन** : अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति** : जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.एच.आई.-01: प्राचीन और मध्यकालीन समाज
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-01

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-01/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2024-25
पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. पुरापाषाण युग के औजार परवर्ती नवपाषाण युग के औजारों से किस प्रकार भिन्न थे? **20**

2. हड़प्पा की सिंचाई व्यवस्था मेसोपोटामिया से किस प्रकार भिन्न थी? **20**

3. माया बस्तियों की प्रमुख विशेषताएँ बताइये। **20**

4. फारसी साम्राज्य के सिक्कों के मानकीरण पर टिप्पणी लिखिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   (i) होमिनिड

   (ii) हूण

   (iii) आरमाइक

   (iv) कीलाक्षर साहित्य

भाग-ख

6. सामन्तवाद के पतन में शहरी केन्द्रों के उदय की क्या भूमिका थी। **20**

7. छापेखाने ने समाज को किस प्रकार प्रभावित किया? **20**

8. पन्द्रहवीं शताब्दी के अंत और सोलहवीं शताब्दी के आरंभ में चर्च से जुड़ी उन बुराईयों की चर्चा कीजिए जिसके विरोध में प्रोटेस्टेंटवाद का जन्म हुआ। **20**

9. मध्यकाल के दौरान यूरोप में शहरों के विकास की चर्चा कीजिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    (i) मेनर

    (ii) बंजारे

    (iii) आधुनिक विश्व

    (iv) करीमी व्यापारी

एम.एच.आई.-02: आधुनिक विश्व
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-02

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-02/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2024-25
पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. मनुष्य और समाज पर ज्ञानादेय के प्रमुख विचार क्या हैं? ज्ञानादेय के विरुद्ध रोमांटिक चिंतको के तर्कों की व्याख्या कीजिए। **20**

2. राज्य के विभिन्न सिद्धांतों पर चर्चा कीजिए। **20**

3. नौकरशाहीकरण को परिभाषित कीजिए। 19वीं-20वीं सदी में राज्य के नौकरशाहीकरण का विश्लेषण कीजिए। **20**

4. ''समाज के कृषि से औद्योगिक तक के परिवर्तन ने राष्ट्र और राष्ट्रवाद के उदय के लिए परिस्थितियाँ उत्पन्न कीं।'' व्याख्या कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   (i) आधुनिकीकरण और जन समाज की समस्याएं

   (ii) प्रारम्भिक-औद्योगिकरण का सिद्धान्त

   (iii) पुनर्जागरण में धर्मनिपेक्षता

   (iv) पूंजीवादी उद्यमकर्ता

भाग-ख

6. 1400-1800 के बीच प्रवसन के माध्यम से गैर-यूरोपीय दुनिया में यूरोप के विस्तार की व्याख्या कीजिए। **20**

7. शीत युद्ध में नाभिकीय हथियारों की होड़ का वर्णन कीजिए। नाभिकीय प्रसार को नियंत्रित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों की जाँच कीजिए। **20**

8. फ्रांसीसी क्रांति के बाद उदित नई राजनीतिक संस्कृति की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं? **20**

9. आधुनिक युद्ध में सैनिकों की गोलबन्दी और प्रौद्योगिकी की भूमिका पर चर्चा कीजिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    (i) फ्रांसीसी क्रांति की सांस्कृतिक विरासत

    (ii) एकध्रुवीयता पर बहस

    (iii) जनसांख्यिकीय संक्रमण सिद्धांत

    (iv) नये पौधों और पशु नस्लों का आयात

एम.एच.आई.-04: भारत में राजनीतिक संरचनाएं
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-04

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-04/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2024-25

पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. सातवाहन राज्य पर एक लेख लिखिए। **20**

2. प्रारंभिक मध्ययुगीन राजनीति के अध्ययन पर वाद-विवाद पर चर्चा कीजिए। **20**

3. आधुनिक इतिहासकारों ने दिल्ली सल्तनत काल के दौरान राज्य-निर्माण को किस प्रकार देखा। विस्तार से वर्णन कीजिए। **20**

4. विजयनगर साम्राज्य की राज्य-निर्माण की प्रकृति की चर्चा कीजिए। **20**

5. मालवा साम्राज्य के गठन पर एक लेख लिखिए। **20**

भाग-ख

6. चोल काल के दौरान राज्य पर टिप्पणी कीजिए। **20**

7. पाड्य काल के दौरान राज्य के प्रशासन पर चर्चा कीजिए। **20**

8. मुगल प्रशासन की प्रकृति क्या थी? चर्चा कीजिए। **20**

9. औपनिवेशिक वन नीति की प्रकृति पर टिप्पणी कीजिए। **20**

10. औपनिवेशिक राजस्व नीति के उद्देश्य क्या थे? चर्चा कीजिए। **20**

एम.एच.आई.-05: भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-05

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-05/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2024-25

पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. प्राचीन भारत के आर्थिक इतिहास लेखन में नवीनतम रुझानों पर चर्चा कीजिए। **20**

2. सातवाहन अर्थव्यवस्था की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा कीजिए। **20**

3. सामंतवाद बहस में हालिया विकास का विश्लेषण कीजिए। **20**

4. प्रायद्वीपीय भारत के विशेष संदर्भ में, 300 ईसा पूर्व से 300 ईस्वी के दौरान विदेशी व्यापार की प्रकृति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   (i) रेडियाकार्बन डेटिंग

   (ii) श्रेणी

   (iii) इंडो-रोमन व्यापार

   (iv) दक्षिण एशिया में बुनकर, कपड़ा उत्पादन और व्यापार

भाग-ख

6. मध्यकाल में कृत्रिम सिंचाई के साधनों ने कृषि उत्पादन को किस हद तक प्रेरित किया? **20**

7. मुगल भू-राजस्व प्रणाली की विशिष्ट विशेषताओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **20**

8. अठारहवीं शताब्दी के दौरान भारतीय व्यापारियों और व्यापार पर यूरोपीय हस्तक्षेप के प्रभाव की चर्चा कीजिए। **20**

9. भारत में औपनिवेशिक काल के दौरान जनसंख्या वृद्धि की प्रकृति का परीक्षण कीजिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    (i) कुलीगिरी

    (ii) मुगल काल के दौरान भूमि कर के अलावा अन्य कर

    (iii) एशियाई व्यापार का इतिहास लेखन

    (iv) भूमंडलीकरण